Dainik Jagran (27.03.2016)

आपदा में राहत के काम आएगा 'एटीवी'

छात्रों ने बनाया कम कीमत का ऑल टेरेन व्हीकल

5वां स्थान मिला छात्रों के इस आविष्कार को | **2.32** लाख रुपये का खर्च | **50** किमी प्रतिघंटा की रफ्तार | **250** किग्रा वजन

हरेंद्र नागर
फरीदाबाद

भूकंप या आग जैसी आपदा स्थिति में निपटने के लिए छात्रों ने 2.30 लाख रुपये की लागत से ऑल टेरेन व्हीकल (एटीवी) तैयार किया है।

यूनिवर्सिटी के 30 छात्रों के दल ने एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वासुदेव मल्होत्रा के साथ तीन महीने के शोध-संरचना के बाद इसे प्रारूप दिया। यूनिवर्सिटी के इन छात्रों द्वारा बनाए गए एटीवी को ओडिशा में आयोजित चैंपियनशिप में पांचवां स्थान प्राप्त हुआ। इस चैंपियनशिप में भारत के अलावा विदेश की करीब 100 यूनिवर्सिटी से भी छात्रों ने भाग लिया था। ओडिशा सरकार के खेल मंत्रालय और फेडरेशन ऑफ मोटर स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया इसमें सहयोग दिया। इसका उद्देश्य ऑफ रोड वाहनों के लिए देशभर के इंजीनियरिंग छात्रों को एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है। छात्रों के दल का नेतृत्व कर रहे कामरान शेख ने बताया कि पेट्रोल इंजन से चलने वाला यह वाहन भूकंप के बाद इमारतें गिरने से हुए ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चलने में सक्षम है। यह 45 डिग्री के कोण पर बनी सीढ़ियों पर आसानी से चढ़ व उतर सकता है। अग्निरोधी होने के कारण इमारत में आग लगने पर चालक इसमें बैठकर सीढ़ियों से ऊपर जाकर पीड़ितों की मदद कर सकता है। यह सात से आठ फीट ऊंचाई से आसानी से कूद सकता है। अगर यह पलट भी जाए तो वापस सीधा खड़ा हो जाता है। पलटने पर चालक पूरी तरह सुरक्षित रहता है। इसे चलाने के लिए किसी प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होगी। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति 10 मिनट के प्रशिक्षण के बाद इसे आसानी से चला सकता है। इसे मेकेनिकल इंजीनियरिंग (बीटेक) के दूसरे, तीसरे व चौथे साल के छात्रों ने तैयार किया है।

> छात्रों ने यूनिवर्सिटी की अपनी वर्कशॉप में इसे तैयार किया है। छात्रों के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। भूकंप या अन्य आपदा के दौरान बचाव अभियान में इस वाहन का प्रयोग करने के लिए कम कीमत में अच्छा उपकरण साबित होगा।
>
> डॉ. दिनेश कुमार, कुलपति, वाइएमसीए यूनिवर्सिटी के

अपने बनाए एटीवी के साथ वाइएमसीए यूनिर्विसटी के मेकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का दल। जागरण